प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर विश्वविद्यालय से 20 कार्मिक सेवानिवृत्त

पंतनगर। 31 दिसम्बर 2019। पंतनगर विश्वविद्यालय से आज 20 कार्मिक सेवानिवृत्त हुए, जिनको डा. रतन सिंह सभागार में आयोजित समारोह में भावभीनी विदाई दी गई। विश्वविद्यालय के कुलपति डा. तेज प्रताप ने सभी सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों को पुष्पगुच्छ, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किये। उप-वित्त नियंत्रक, डा. जे.सी. बडोला, ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर कुलसचिव, डा. ए.पी. शर्मा, अधिष्ठाता, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, डा. एस.के. शुक्ला, मंचासीन थे।

डा. तेज प्रताप ने विश्वविद्यालय की ओर से सभी सेवानिवृत्त हो रहे कार्मिको के योगदान और सहयोग के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि उन लोगों ने लम्बी अवधि तक सेवाएं दी हैं, जिसकी वजह से पंतनगर विश्वविद्यालय आज उच्च स्तर पर हैं। उन्होंने सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों से कहा कि कल से नया वर्ष शुरू हो रहा है यह नया वर्ष आपके जीवन में खुशीयां लाये और वे अपने घर और समाज की उन्नति में अपना योगदान दें। डा. तेज प्रताप ने सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों को स्वस्थ्य एवं मंगलमय जीवन के लिए शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर कुलसचिव डा. ए.पी. शर्मा, अधिष्ठाता, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, डा. एस.के. शुक्ला, अधिष्ठात्री गृह विज्ञान डा. रीता सिंह रघुवंशी एवं अधिष्ठाता विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, डा. ए.के. शुक्ला ने भी सेवानिवृत्त हो रहे कार्मिकों को शुभकामनाएं दी। सेवानिवृत्त हो रहे कार्मिकों में से डा. आई.जे. सिंह, डा. रीता गोयल, डा. आभा आहूजा, डा. महेश कुमार एवं एस.के. तिवारी, ने भी अपने उद्गार प्रकट किये।

आज सेवानिवृत्त हो रहे कार्मिकों में डा. आई.जे. सिंह, डा. रीता गोयल, डा. आभा आहूजा एवं डा. महेश कुमार, प्राध्यापक; श्री एस.के. तिवारी एवं श्री दुर्गा सिंह, सहा. लेखाधिकारी; श्री डी.डी. भट्ट, लेखाकार; श्रीमती सुनीता सिंह, सहायक प्राध्यापिका; श्री हौशिला प्रसाद, प्रयोगशाला सहायक; श्री रामसेवक; श्री जोगेन्द्र प्रसाद एवं श्री रामायन, सुरक्षा चौकीदार; श्री रामजतन, पत्रवाहक; श्री विजय मोहन लाल, प्रयोगशाला परिचर; श्री रामजीत पाल, पशुसेवक; श्री बिजली यादव, हैल्पर तथा श्री छट्टू, श्री लाल बहादुर, श्री रंगीला एवं श्रीमती मुन्नी देवी, कृषि श्रमिक, सम्मिलित थे।

सेवानिवृत्त हो रहे कार्मिकों के साथ कुलपति डा. तेज प्रताप एवं अन्य अधिकारी।